



HINDI A1 – HIGHER LEVEL – PAPER 2
HINDI A1 – NIVEAU SUPÉRIEUR – ÉPREUVE 2
HINDI A1 – NIVEL SUPERIOR – PRUEBA 2

Friday 23 May 2003 (afternoon)
Vendredi 23 mai 2003 (après-midi)
Viernes 23 de mayo de 2003 (tarde)

2 hours / 2 heures / 2 horas

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

- Do not open this examination paper until instructed to do so.
- Answer one essay question only. You must base your answer on at least two of the Part 3 works you have studied. You may include in your answer a discussion of a Part 2 work of the same genre if relevant. Answers which are not based on a discussion of at least two Part 3 works, will not score high marks.

INSTRUCTIONS DESTINÉES AUX CANDIDATS

- Ne pas ouvrir cette épreuve avant d'y être autorisé.
- Traiter un seul sujet de composition. Vous devez baser votre réponse sur au moins deux des œuvres de la 3^e partie que vous avez étudiées. Le cas échéant, vous pouvez inclure dans votre réponse une discussion sur une œuvre du même genre littéraire étudiée dans la 2^e partie du programme. Les réponses qui ne sont pas basées sur au moins deux des œuvres de la 3^e partie n'obtiendront pas une note élevée.

INSTRUCCIONES PARA LOS ALUMNOS

- No abra esta prueba hasta que se lo autoricen.
- Elija un tema de redacción. Su respuesta deberá basarse en al menos dos de las obras estudiadas en la Parte 3. Se podrán hacer comentarios sobre una obra de la Parte 2 del mismo género, si fuera necesario. Las respuestas que no incluyan una discusión sobre al menos dos obras de la Parte 3 no recibirán notas altas.

नीचे लिखे हुए विषयों में से किसी एक पर निबंध लिखिए । इस भाग में आपका उत्तर भाग 3 की पढ़ी हुई रचनाओं में से कम से कम दो रचनाओं पर आधारित होना चाहिए । अगर उचित हो तो आप भाग 2 में पढ़ी हुई इसी प्रकार की कृतियों की व्यावहारिक चर्चा कर सकते / सकती हैं । अगर आपका उत्तर भाग 3 की पढ़ी हुई दो रचनाओं के विचारविमर्श पर आधारित नहीं होगा तो आपकी ज़्यादा अंक नहीं मिलेंगे ।

कविता

या

- 1 क “कविता काव्यनिक होते हुए जीवन की वास्तविकता की व्याख्या भी हो सकती है” ? जिन कविताओं की आपने पढ़ा है उनके संदर्भ में इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए ।

या

- ख “कविता में आशावाद या निराशावाद के साथ साथ अन्य भावनाओं का महत्वपूर्ण स्थान होता है” आप पढ़ी हुई कृतियों के आधार पर इस कथन से कहां तक सहमत हैं ?

उपन्यास

या

- 2 क “उपन्यास में उपन्यासकार की भूमिका का महत्वपूर्ण योगदान होता है । वह अपने दृष्टिकोण से पाठक को प्रभावित करने का प्रयत्न करता है ।” पढ़े हुए उपन्यासों पर विचारविमर्श करते हुए विवेचना कीजिए ।

या

- ख आप के पढ़े हुए उपन्यासों में उपन्यासकारों द्वारा विषयवस्तु को प्रस्तुत करने के लिए प्रयोग किए गये साधनों व तत्वों का उल्लेख कीजिए । इन में से कौन से साधन उपन्यास की रौचिक तथा प्रभावशाली बनाने में सहायक सिद्ध हुए ? वर्णन कीजिए ।

कहानी

या

- 3 क "कहानी में उद्देश्य व प्रभाव की एकता पर विशेष ध्यान दिया जाता है।" जिन कहानियों की आपने पढ़ा है उनके आधार पर टिप्पणी कीजिए ।

या

- ख "कहानी की सफल बनाने हेतु लेखक भिन्न भिन्न साधनों का उपयोग करता है ।" आपके अध्ययन में लेखकों ने कहां तक इनका सफलतापूर्ण प्रयोग किया है ? उदाहरण सहित अपनी विवेचना के पक्ष या विपक्ष में, मत का उल्लेख कीजिए ।

नाटक

या

- 4 क जिन नाटकों की आप ने पढ़ा है उनमें प्रयोग किए गये नाटकीय तत्वों की तुलनात्मक समीक्षा करते हुए बताईये कि नाटककार विषयवस्तु की रौचिकता से प्रस्तुत करने में कहां तक सफल हुए हैं ?

या

- ख "एक नाटक में विषयवस्तु, देशकाल व वातावरण और उनके प्रस्तुतीकरण का विशेष स्थान होता है ।" जिन नाटकों की आपने पढ़ा है उनके आधार पर विवेचना कीजिए ।

निबंध

या

- 5 क जिन निबंधों की आपने पढ़ा है उनमें पाई जाने वाली साहित्यिक विशेषताओं की तुलनात्मक समीक्षा करते हुए उदाहरण सहित उल्लेख कीजिए कि वो कहां तक सफल निबंध माने जा सकते हैं ?

या

- ख "निबंध की सृजनात्मक योजना अधीन ही लिखा जाना संभव है ।" जिन निबंधों की आपने पढ़ा है उनके आधार पर समीक्षा कीजिए ।

साधारण

या

- 6 क “साहित्य समाज का दर्पण है।” जिन साहित्यक रचनायों की आपने पढ़ा है उनके आधार पर इस कथन की विवेचना कीजिए।

या

- ख साहित्य में व्यक्तित्व की अभिव्यञ्जना कैसे होती है ? इस सम्बन्ध में आप द्वारा पढ़ी गई साहित्यक रचनायों के आधार पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

या

- ग “रचना कितनी भी अंधकारपूर्ण या विवादपूर्ण क्यों न हो परन्तु हास्य-वृत्ति का अपना ही स्थान होता है।” जिन रचनायों की आप ने पढ़ा है उनमें साहित्यकारों ने इसे प्रस्तुत करने के लिए कौन से साधनों का प्रयोग किया है ?

या

- घ सुख-दुःख मानवजीवन में जटिल होते हुए भी एक दूसरे के साथ जुड़े हुए हैं और साथ साथ ही चलते हैं।” जिन रचनायों की आप ने पढ़ा है वह कहां तक इस कथन का समर्थन करती हैं ?